मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 137, मुंबई, शुक्रवार, 1 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
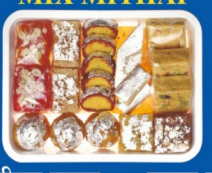
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

मुंबई के नए पुलिस आयुक्त विवेक फणसालकर ने कहा...

'बेहतर कानून-व्यवस्था और अपराधों का खुलासा सर्वोच्च प्राथमिकता'

मुंबई। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी विवेक फणसालकर ने बृहस्पतिवार को मुंबई के नये पुलिस आयुक्त का पदभार संभाला और कहा कि महानगर में बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा अपराधों का खुलासा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बगावत के 10 दिन बाद सीएम बने एकनाथ शिंदे

हाईकमान की अपील पर फडणवीस ने संभाली डिप्टी सीएम की कुर्सी

मुंबई। सियासी ड्रामे के 11वें दिन की शाम... अटकलों और अनुमानों पर पूर्ण विराम। एकनाथ शिंदे ने गुरुवार की शाम महाराष्ट्र के 20वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। देवेंद्र फडणवीस उप मुख्यमंत्री बने। शपथ के घंटेभर बाद दोनों ने कैबिनेट मीटिंग भी बुला ली। ये सबकुछ महज पांच घंटे के भीतर हुआ। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कांग्रेस ने साधा निशानाः महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन पर कांग्रे ने निशाना साधा। पार्टी नेता जयराम रमेश ने कहा कि महाराष्ट्र में जो हुआ वो भारत जैसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। मोदी-शाह के नेतृत्व में भाजपा किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करना चाहती है। वे चाहते हैं कि या तो सत्ता उनके पास रहे या कुर्सी की डोर उनके हाथों में हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी

राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थकों ने नासिक में मनाया जश्न

उद्धव ने दी बधाई

पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने नए मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं महाराष्ट्र के नए सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को बधाई देता हूं। मैं आशा करता हूं कि आप दोनों के माध्यम से महाराष्ट्र में अच्छे काम हों।

शरद पवार ने दी प्रतिक्रिया

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मैं एकनाथ शिंदे को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में विधायकों को गुवाहाटी ले जाने की ताकत दिखाई। उन्होंने लोगों को शिवसेना छोड़ने के लिए प्रेरित किया। मुझे नहीं पता कि यह पहले हुआ था या नहीं, लेकिन यह बिना तैयारी के नहीं हो सकता।

क्या कालबादेवी में हुये हादसे जैसे घटना होने के इंतजार में हैं मनपा बी/वार्ड के भ्रष्ट सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर?

नींद से कब जागेंगे भ्रष्ट सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर?

धनाजी हेरलेकर
सहायक आयुक्त, मनपा बी/वार्ड

89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

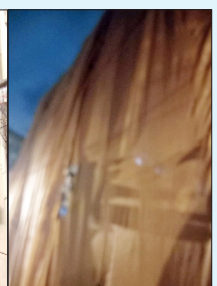

11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

मुंबई। कालबादेवी इलाके में गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे इमारत का एक हिस्सा ढह गया। इस तरह के कई भ्रष्टाचार करके बनाये गये अवैध निर्माण अक्सर हादसे का शिकार हो जाते हैं, इन सब घटनाओं को देखने के बावजूद मनपा बी/वार्ड प्रभाग क्र. 224 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत 89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर, 11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई में सबसे बड़ा भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर की मेहरबानियों से धड़ल्ले से अवैध निर्माण का कार्य किया जा रहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कालबादेवी में हुये हादसे की तस्वीर

बिल्डिंग नंबर-339/341, बादाम वाड़ी, कालबादेवी में जी+4 की इमारत गिरना ये मनपा के लापरवाही का ही नतीजा है, बता दें कि मरम्मत कार्य के दौरान जी + 4 म्हाडा संरचना का पश्चिम की ओर का हिस्सा ढह गया, कहीं न कहीं ऐसी घटना मनपा व म्हाडा अधिकारियों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ जाता है जिसमें हजारों बेगुनाह जनता बेमौत मारी जाती है, **आखिर चंद पैसों की लालच में क्यों म्हाडा व मनपा अधिकारी आम जनता की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करते है।** बता दें मनपा बी/वार्ड में स्टे के बावजूद भ्रष्ट सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के आदेशों पर खुलेआम अवैध निर्माण किया जा रहा है, शिकायत के बावजूद **भ्रष्ट सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर की आंखे नहीं खुल रही हैं, क्या जब इस अवैध निर्माण से कोई बड़ी दुर्घटना घट जायेगी तब ही नींद से जागेंगे भ्रष्ट सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर?**

भूमाफिया शब्बीर पटेल द्वारा किये जा रहे अवैध निर्माण की तस्वीर

Ward No. 223 Beside.Deewani Clinicshop No. 22/24/26 Tantanpura street Near Hotel al Rehmaniya Khadak Mumbai. 400009

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

डॉलर या युआनः कौन बड़ा ठग?

दुनिया के सात समृद्ध देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत को भी आमंत्रित किया गया था, हालांकि भारत इसका बाकायदा सदस्य नहीं है। इसका अर्थ यही है कि भारत इन्हीं समृद्ध राष्ट्रों की श्रेणी में पहुंचने की पर्याप्त संभावना रखता है। जर्मनी में संपन्न हुए इस सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लेकर सभी नेताओं से गर्मजोशी से मुलाकात की, भारत की उपलब्धियों का जिक्र किया और इस संगठन के सामने कुछ नए लक्ष्य भी रखे। मोदी ने यह तथ्य भी बेझिझक प्रकट कर दिया कि भारत की आबादी दुनिया की 17 प्रतिशत है लेकिन वह प्रदूषण सिर्फ 5 प्रतिशत ही कर रहा है। दूसरे शब्दों में उन्होंने समृद्ध राष्ट्रों को अपने प्रदूषण को नियंत्रित करने का भी संकते दे दिया। इसके अलावा उन्होंने समृद्ध राष्ट्रों से अपील की कि वे विकासमान राष्ट्रों की भरपूर मदद करें। संसार के देशों में बढ़ती जा रही विषमता को वे दूर करें। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तथा अन्य नेताओं ने इस अवसर पर घोषणा की कि वे अगले पांच वर्षों में 600 बिलियन डॉलर का विनियोग दुनिया भर में करेंगे ताकि सभी देशों में निर्माण-कार्य हो सकें और आम आदमियों का जीवन-स्तर सुधर सके। जाहिर है कि इतने बड़े वित्तीय निवेश की कल्पना इन समृद्ध देशों में चीन के कारण ही जन्मी है। चीन ने 2013 में 'बेल्ट एंड रोड एनीशिएटिव' (बीआरडी) शुरू करके दुनिया के लगभग 40 देशों को अपने कर्ज से लाद दिया है। श्रीलंका और पाकिस्तान तो उसके शिकार हो ही चुके हैं। भारत के लगभग सभी पड़ौसी देशों की संप्रभुता को गिरवी रखने में चीन ने कोई संकोच नहीं किया है लेकिन जो बाइडन ने चीनी योजना का नाम लिये बिना कहा है कि जी-7 की यह योजना न तो कोई धमार्दा है और न ही यह राष्ट्रों की मदद के नाम पर बिछाया गया कोई जाल है। यह शुद्ध विनियोग है। इससे संबंधित राष्ट्रों को तो प्रचुर लाभ होगा ही, अमेरिका भी फायदे में रहेगा। यह विकासमान राष्ट्रों को सड़कें, पुल, बंदरगाह आदि बनाने के लिए पैसा मुहय्या करवाएगा। इस योजना के क्रियान्वित होने पर लोगों को सीधा फायदा मिलेगा, उनकी गरीबी दूर होगी, उनका रोजगार बढ़ेगा और लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था मजबूत होगी। संबंधित देशों के बीच आपसी व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने में भी इस योजना का उल्लेखनीय योगदान होगा। यह भी संभव है कि इस योजना में जुटनेवाले देशों के बीच मुक्त-व्यापार समझौते होने लगें। यदि ऐसा हुआ तो न सिर्फ विश्व-व्यापार बढ़ेगा बल्कि संबंधित देशों में आम लोगों को चीजें सस्ते में उपलब्ध होने लगेंगी। उनकी जीवन-स्तर भी सुधरेगा। बाइडन और अन्य जी-7 नेताओं का यह सोच सराहनीय है लेकिन लंबे समय से डॉलर के बारे में कहा जाता है कि यह जहां भी जाता है, वहां से कई गुना बढ़कर ही लौटता है। देखें चीनी युआन के मुकाबले यह कितनी कम ठगाई करता है?

कट्टरपंथी राजनीति के खतरे

चाहे संगरूर के सांसद सिमरनजीत सिंह मान हों या भोपाल की प्रज्ञा भारती हों या हैदराबाद के असदुद्दीन ओवैसी हों या उन्हीं की पार्टी के औरंगाबाद के सांसद इम्तियाज जलील हों, कट्टरपंथी राजनीति के ये प्रतिनिधि चेहरे गिनती में भले कम दिख रहे हैं लेकिन इनकी राजनीति अब मुख्यधारा की राजनीति बन रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नागरिकों ने जिन लोगों को देश की रहनुमाई के लिए चुना वे अपने स्वार्थ में कट्टरपंथी राजनीति को फलने-फूलने के लिए खाद-पानी मुहैया करा रहे हैं। ध्यान रहे सत्ता की राजनीति के लिए देश और समाज को दांव पर नहीं लगाया जाना चाहिए।

भारत की राजनीति में हर समय कुछ कट्टरपंथी ताकतें रही हैं। कुछ नेता रहे हैं, जो कट्टरपंथी राजनीति करते रहे और चुनाव जीतते-हारते रहे। लेकिन कभी भी उनके बारे में गंभीरता से विचार करने की जरूरत नहीं पड़ी क्योंकि ऐसी ताकतें हमेशा हाशिए में रहीं यानी फ्रिंज एलीमेंट्स की तरह रहीं। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि हाशिए पर की ताकतें राजनीति के मध्य यानी केंद्र बिंदु की तरफ बढ़ रही हैं। फ्रिंज की राजनीति ही मुख्यधारा बन रही है। कई चुनावों और उपचुनावों के नतीजों से इसके संकेत मिले हैं तो देश के अलग अलग हिस्सों में हो रही घटनाएं भी बता रही हैं कि राजनीति इसी दिशा में बढ़ रही है। अगर राजनीति में सर्वोच्च स्तर से और सामूहिक रूप से इसे रोकने का प्रयास नहीं किया गया तो यह खतरा बहुत जल्दी नासूर बन जाएगा।

राजस्थान के उदयपुर में एक हिंदू दर्जी की गला काट कर हत्या करने और उसका वीडियो बना कर सोशल मीडिया में डालने की घटना राजनीति की कट्टरपंथी दिशा बताने वाली एक प्रतिनिधि घटना है। तभी जब इस घटना के बाद राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री से अपील करते हुए कहा कि वे तुरंत राष्ट्र को संबोधित करें और शांति की अपील करें तो वह एक स्वाभाविक और बहुत जरूरी मांग थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे बड़े और सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उनकी बात लोग सुनते हैं और मानते भी हैं। वे इस तरह की घटनाओं के सामाजिक नुकसान से परिचित हैं। याद करें जब उन्होंने गौरक्षकों को आपराधिक तत्व बताया था, तब एक समूह को यह बात बुरी लगी थी लेकिन उसके बाद से गौरक्षा के नाम पर होने वाली हिंसा कम हो गई या बंद हो गई। हालांकि ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री राजनीतिक फायदे के लिए सांप्रदायिक प्रतीकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। लेकिन उनको भी पता है कि उदयपुर की घटना भारत की राजनीति और समाज दोनों पर गहरा असर छोड़ने वाली है। इसलिए पहले ही उसके असर को समाप्त करने की पहल करनी होगी। जिस तरह से उन्होंने पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी से उपजे विवाद को शांत करने के लिए अपनी पार्टी के नेताओं पर कार्रवाई की थी उसी तरह का ठोस और त्वरित कदम उदयपुर की घटना के बाद भी उठाने की जरूरत है। इसके साथ ही यह भी समझने की जरूरत है कि ऐसी घटना क्यों हुई है? यह मौजूदा भारतीय राजनीतिक विमर्श की अनिवार्य परिणति है। भारत की राजनीति से निर्देशित होकर समाज ऐसी दिशा में बढ़ रहा है, जहां इस तरह की घटनाएं अनिवार्य रूप से होंगी। एक तरफ इस्लाम की सर्वोच्चता के नाम पर दूसरे धर्मों के प्रतीकों के अपमान की घटनाएं हैं तो दूसरी ओर हिंदू राष्ट्र के निर्माण के आह्वान के साथ ही इस्लाम और दूसरे धर्मावलंबियों के प्रति हिकारत का भाव बढ़ रहा है। राष्ट्रवाद के नाम पर एक पूरे धार्मिक समुदाय को गद्दार साबित करने का अभियान चल रहा है। मध्यकाल में हुए कथित अत्याचार का बदला लेने के लिए आधुनिक समय में पहल की जा रही है। इन सबका अंत नतीजा बहुत सुखद नहीं होने वाला है। हो सकता है कि किसी दल को तात्कालिक राजनीतिक लाभ हो जाए लेकिन इस तरह की राजनीतिक और सामाजिक विमर्श की वजह से अंततः देश और समाज विखंडन की ओर बढ़ेगा।

अगर हाल की कुछ राजनीतिक घटनाओं पर नजर डालें तो समझ में आएगा कि कितनी तेजी से कट्टरपंथी ताकतें राजनीति में मजबूत हो रही हैं और उन्हें नहीं रोकना कितना घातक हो सकता है। एक मिसाल पंजाब की संगरूर सीट पर शिरोमणि अकाली दल अमृतसर के नेता सिमरनजीत सिंह मान की जीत है। मान घोषित रूप से अलगाववादियों का समर्थन करते रहे हैं। उन्होंने अपनी जीत के बाद कहा कि उनकी जीत संत जरनैल सिंह भिंडरावाले की शिक्षा का नतीजा है। भिंडरावाले ने धर्म के नाम पर अनगिनत हत्याएं कराईं और अलग खालिस्तान राष्ट्र का आंदोलन चला कर देश की एकता व अखंडता को खतरे में डाला था। उस भिंडरावाले के नाम की शपथ लेने वाले नेता का लोकसभा चुनाव जीतना मामूली बात नहीं है। पंजाब में अकाली दल के कमजोर होने की वजह से मान जैसे नेताओं को मौका मिला है कि वे एक बार फिर कट्टरपंथी और अलगाववादी राजनीति को राख से उठा कर जिंदा करें। कोई आठ साल पहले पंजाब की राजनीति में आम आदमी पार्टी के मजबूत होने और उसे दुनिया के दूसरे देशों के कट्टरपंथी सिख संगठनों की मदद मिलने से भी अलगाववादी राजनीति के विमर्श को फिर से उभरने का मौका मिला है। इसी तरह राष्ट्रीय स्तर पर कट्टर हिंदुवादी राजनीति के बरक्स मुस्लिम कट्टरपंथी राजनीतिक दलों को ताकत मिलनी शुरू हुई है।

एक तरफ कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां कमजोर हुई हैं और दूसरी ओर भारत की सेकुलर राजनीति का प्रतिनिधित्व करने वाले समाजवादी नेता या तो बूढ़े होकर रिटायर हुए हैं या उनका निधन हो गया है। इस वजह से मुस्लिम अवाम में अपने नेता की तलाश तेज हुई है। उसी तलाश का नतीजा असदुद्दीन ओवैसी हैं। दशकों तक सिर्फ एक हैदराबाद लोकसभा सीट की राजनीति तक सीमित रही पार्टी का फुटप्रिंट आज सारे देश में है। उसने महाराष्ट्र की औरंगाबाद लोकसभा सीट जीती है और बिहार जैसे राज्य में उसके पांच विधायक जीते हैं। महाराष्ट्र में भी उसकी पार्टी के दो विधायक हैं। किसी जमाने में कांग्रेस के नेताओं ने पंजाब में अकाली दल को काबू करने के लिए कट्टरपंथी और अलगाववादी ताकतों को मजबूत किया था, जिसका अंत नतीजा कितना भयावह हुआ था वह सबको पता है। उसी तरह आज विपक्ष को कमजोर करने या चुनाव हराने के लिए ओवैसी जैसे नेताओं को मजबूत किया जा रहा है। यह आग से खेलने जैसा है। चाहे संगरूर के सांसद सिमरनजीत सिंह मान हों या भोपाल की प्रज्ञा भारती हों या हैदराबाद के असदुद्दीन ओवैसी हों या उन्हीं की पार्टी के औरंगाबाद के सांसद इम्तियाज जलील हों, कट्टरपंथी राजनीति के ये प्रतिनिधि चेहरे गिनती में भले कम दिख रहे हैं लेकिन इनकी राजनीति अब मुख्यधारा की राजनीति बन रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नागरिकों ने जिन लोगों को देश की रहनुमाई के लिए चुना वे अपने स्वार्थ में कट्टरपंथी राजनीति को फलने-फूलने के लिए खाद-पानी मुहैया करा रहे हैं। ध्यान रहे सत्ता की राजनीति के लिए देश और समाज को दांव पर नहीं लगाया जाना चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कौसा स्थित एमएमवैली परिसर के सरकारी अस्पताल निजीकरण को लेकर, आप पार्टी करेगी बकरीद बाद आंदोलन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। वर्षों से विवादों में रहने वाल वर्षों से बनने वाला जो अब तक नहीं बना, कौसा स्थित एमएमवैली परिसर के सरकारी अस्पताल का निजीकरण मामला अब तूल पकड़ता हुआ दिखाई दे रहा है विपक्ष सरकारी अस्पताल निजीकरण को लेकर सत्ताधारी पार्टी और टीएमसी के अधिकारियों की मिलीभगत का नतीजा बता रहा है इस मामले में एमआईएम के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान ने निजीकरण के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की है और अब आम आदमी पार्टी के डॉ अल्तमश फैजी भी सत्ताधारी पार्टी पर भारी पड़ते हुए नजर आ रहे हैं दरसल आपको बताते चलें गत 28 जून मंगलवार रात 8:00 बजे ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस मे पत्रकारों से बात करते उन्होंने बताया की सरकारी अस्पताल की निजीकरण मामले को लेकर उन्होंने मनपा आयुक्त डॉ बिपिन शर्मा से मुलाकात की तो मनपा आयुक्त बिपिन शर्मा ने सरकारी अस्पताल निजीकरण करने की बात को सही बताया है फिर मनपा आयुक्त बिपिन शर्मा ने बताया थाने के श्रीनगर अस्पताल को भी निजीकरण कर दिया गया है आप वहां का दौरा कर लीजिए आपको सारी बात समझ में आ जाएगी यह कहकर मनपा आयुक्त अपने कार्यालय से निकल गए फिर हम लोगों ने अपने कार्यकर्ताओं को

लेकर थाने के श्रीनगर अस्पताल का दौरा किया और वहां पर सीईओ प्रियंका से मुलाकात की उन्होंने अस्पताल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हम लोग अस्पताल पूरी तरह से जनता के लिए मुफ्त सर्विस दी जाएगी और अस्पताल में किसी तरह का कोई कैश जमा नहीं करना पड़ेगा या सरकारी अस्पताल पूरी तरह से कैशलेस है और मुफ्त में इलाज होगा हम लोगों का कहना ऐसा है कि जब आप मुफ्त में जनता का इलाज कराना चाहते हो तो फिर निजीकरण करने की आवश्यकता क्या है आप उसको पूरी तरह से सरकारी अस्पताल ही रहने दो या जनता को कैशलैस के नाम पर गुमराह किया जा रहा हैं उन्होंने पूर्व नगरसेवको के ऊपर भी अंधाधुन गोलियां चला दी और कहां मुंब्रा के नगरसेवकओ का क्या वर्चस्व है वह सब नजर आ गया है पूर्व नगरसेवकी की चुप्पी या बताती है कि या भी भ्रष्टाचारी में पूरी तरह से लिप्त है और यही वजह उनकी चुप्पी की है कि वह सरकारी अस्पताल के निजीकरण के मामले में कोई आवाज बुलंद नहीं कर रहे क्योंकि सरकारी अस्पताल निजीकरण होने से उनको भी तो एनवेलप मिलेगा और यही कारण है यह निजीकरण सिर्फ अपने फायदे के लिए करना चाहते हैं इनको जनता की कुछ पढ़ी नहीं है इनको सिर्फ अपना फायदा चाहिए जब तक यह अस्पताल निजीकरण रहेगा इनकी जेब भर्ती रहेगी उन्होंने सत्ताधारी पार्टी की तुलना बीजेपी के साथ कर दी और कहां सत्ताधारी पार्टी वही काम कर रही है जो बीजेपी कर रही है और यही कारण है मुंब्रा शहर की हालत बद से बदतर कर दी है हर जगह सत्ताधारी पार्टी द्वारा सिर्फ भ्रष्टाचार ही किया गया है और कुछ भी नहीं मुंब्रा शहर की जनता का खून पूरी तरह से सत्ताधारी पार्टी द्वारा चूस लिया गया है उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा पहले तो बड़ी बड़ी बातें करेंगे टोरेंट पावर मुंब्रा शहर में आने से पहले हमारी लाश पर से गुजारना पड़ेगा फिर क्या हुआ टॉरेंट पावर आ गई वह भी निजीकरण, स्लाटर हाउस खत्म मुंब्रा में सरकारी स्कूल की हालत खस्ता हो चुकी है शौचालयों में छात्र छात्राओं के लिए 15 दिन तक पानी नहीं है पांच साल बीत जाने के बाद इसका जिम्मेदार सत्ताधारी पार्टी के पूर्व नेता मनपा प्रशासन को ठहरा रहीं हैं जबकि इनकी द्वारा किया गया भ्रष्टाचार का ठीकरा मनपा प्रशासन पर फोड़ा जा रहा हैं फिलहाल उन्होंने सरकारी अस्पताल निजीकरण को लेकर अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सख्त विरोध जताया है और कहां है कि किसी भी कीमत में सरकारी अस्पताल को निजीकरण करने नहीं दिया जाएगा अगर उनकी बात को नहीं माना गया तो बकरीद बाद जन आंदोलन करेंगे फिलहाल जिस तरह से सरकारी अस्पताल निजीकरण को लेकर विपक्ष द्वारा आवाजें बुलंद की जा रही है अब देखना यह है क्या यह सरकारी अस्पताल सत्ताधारी पार्टी और टीएमसी के अधिकारी की मिलीभगत से इसको निजीकरण किया जाता है या विपक्ष किसी भी हाल में इस अस्पताल का निजीकरण नहीं होने देगा यह राजनीतिक लड़ाई मै जीत किसकी होती है जो जनता के लिए लड़ रहे उनकी या जो अपना फायदा सोच रहे हैं उनकी यह तो सिर्फ समय ही बताएगा।

मुंबईः बहन ने मोबाइल फोन नाले में फेंका, किशोरी ने की आत्महत्या

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई के पश्चिमी क्षेत्र मलाड में बृहस्पतिवार को बड़ी बहन द्वारा मोबाइल फोन को नाले में फेंकने के बाद 17 वर्षीय एक लड़की ने कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की मलाड के मालवानी इलाके में अपने निर्माणाधीन घर में लटकी हुई पाई गई। उन्होंने कहा, लड़की का पड़ोस के एक लड़के से कथित प्रेम संबंध चल रहा था। लड़की के परिवार को इस बात का पता चल गया था। उन्होंने कहा कि लड़की की बड़ी बहन ने उसे डांटा और इस संदेह में कि वह हर दिन लड़के से बात कर रही होगी उसका मोबाइल फोन एक नाले में फेंक दिया। स्थानीय लोगों ने लड़की का शव देखते ही पुलिस के सूचित किया। अधिकारी ने कहा कि उक्त मामले के संबंध में आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की गई है।

मां-बेटी की हत्या की गई, मृतका की दूसरी बेटी और चालक ने आत्महत्या की

मुंबई। कांदिवली में एक महिला और उसकी बेटी की दूसरी बेटी और परिवार के वाहन चालक द्वारा कथित तौर पर हत्या करने का मामला सामने आया है। बाद में उन दोनों ने भी घर में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार-बृहस्पतिवार की दरम्यानी रात महिला और उसकी बेटी की खून से लथपथ लाश मिली, जबकि उसकी दूसरी बेटी और चालक के शव परिसर में फंदे से लटके मिले। उन्होंने बताया कि मौके से कुछ सुसाइड नोट मिले हैं। अधिकारी ने बताया कि घटना कांदिवली रेलवे स्टेशन के पास एक इमारत में हुई, जिसका इस्तेमाल परिवार द्वारा अस्पताल और घर के तौर पर किया जाता था। उन्होंने बताया कि किरण दलवी (45), उनकी बेटी मुस्कान (26) के शव खून से लथपथ मिले,जबकि उनकी दूसरी बेटी भूमि (17) और चालक शिवदयाल सेन(60) के शव फंदे से लटके मिले।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

क्या कालबादेवी में हुये हादसे जैसे घटना होने के इंतजार में हैं मनपा बी/वार्ड के भ्रष्ट सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर?

भ्रष्ट सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के आदेशों पर सबसे बड़ा भूमाफिया रफीक राजस्थानी खुलेआम बेखौफ कर रहा है अवैध निर्माण का कार्य। इस अवैध निर्माण कार्य के बारे में कई बार मनपा बी/वार्ड में शिकायत पत्र दिया गया, लेकिन शिकायत पत्र देने के बावजूद मनपा बी/वार्ड में बेखौफ भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा आज भी अवैध निर्माण कार्य चालू है। मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत हो रहे इस अवैध निर्माण कार्य की शिकायत अगर आप म्हाडा में करने जायेंगे तो म्हाडा के अधिकारियों द्वारा कहा जाता है कि यह मनपा का काम है और अगर मनपा में जायेंगे तो मनपा के अधिकारी कहते हैं इस निर्माण को म्हाडा से परमीशन मिला हुआ है, शिकायतकर्ता को म्हाडा और मनपा के अधिकारी गुमराह करते हुये एक दूसरे पर जिम्मेदारी थोंप देते हैं, सवाल यह है कि जिस निर्माण को परमीशन मिला ही नहीं है तो उसे कैसे निर्माण किया जा रहा है? म्हाडा और मनपा की मिलीभगत से बेकसूर जनता का जानलेवा अवैध निर्माण बिल्डिंग का कार्य जोरों शोरों से किया जा रहा है। बता दें कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बनाई जा रही अवैध बिल्डिंग पूरे लोहे के एंगल पर बनाई जा रही है, और पूरी बिल्डिंग ओवरलोड हो चुकी है और इस वक्त बारिश का मौसम है जिसके कारण कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है, जिसमें हजारों बेगुनाह बेमौत मारे जा सकते हैं, लेकिन मनपा बी/वार्ड के सबसे भ्रष्ट दलाल सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर और म्हाडा के अधिकारियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, उन्हें मतलब है सिर्फ भ्रष्टाचार के पैसों से। बता दें कि सूत्रों द्वारा पता चला है कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बी/वार्ड में किये जा रहे अवैध निर्माणों का पैसा मनपा बी/वार्ड के अधिकारी किरण दास और विशाल साखरकर द्वारा मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर तक पहुंचाया जाता है।

बगावत के 10 दिन बाद सीएम बने एकनाथ शिंदे

ये तो हुआ क्लाइमैक्स... लेकिन अब इससे पहले के सीन पर भी नजर डाल लीजिए... दिन गुरुवार और जगह मुंबई। काले माइक के सामने फडणवीस बोलते हुए और उनकी दायीं ओर सिर पर लाल टीका लगाए हाथ बांधे मौन बैठे शिंदे। फडणवीस ने कुछ पुरानी बातें कहीं और फिर सीधे हीरो के नाम का ऐलान- एकनाथ शिंदे होंगे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री। भाजपा उनका समर्थन करेगी। सरकार में शामिल भी होगी, लेकिन मैं सरकार से बाहर रहूंगा। ये ऐसी घोषणा थी जिसने सभी न्यूजरूम की बनी-बनाई खबर बिगाड़ दी। सबने फडणवीस को मुख्यमंत्री लिख रखा था। हमने भी, लेकिन खबर में चौंकाने वाला एंगल आना फिर बाकी था। फडणवीस ने जैसे ही सरकार से बाहर रहने की बात कही, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व सक्रिय हो गया। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि फडणवीस ने बड़ा दिल दिखाया है। अब उन्हें डिप्टी उट का पद स्वीकार करना चाहिए। फिर अमित शाह ने ट्वीट किया कि फडणवीस सरकार में शामिल होने के लिए मान गए हैं। इसके बाद शिंदे की शपथ से ऐन पहले राजभवन में दो की जगह तीन कुर्सियां लगाई गईं। गुरुवार की दोपहर ढाई बजे एकनाथ शिंदे गोवा से मुंबई पहुंचे थे। शाम साढ़े सात बजे शपथ भी हो गई। महज 5 घंटे में महाराष्ट्र की सरकार का नया मुखिया और उनके डिप्टी के नाम से पर्दा उठ गया। दरअसल, बागी गुट के विधायकों के गुवाहाटी से गोवा पहुंचने के साथ ही मुंबई तक का रास्ता बहुत हद तक साफ हो गया था।

'बेहतर कानून-व्यवस्था और अपराधों का खुलासा सर्वोच्च प्राथमिकता'

फणसालकर ने संजय पांडे का स्थान लिया है जिन्होंने पुलिस की सेवा के बाद अवकाश ग्रहण किया है। महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग ने 1989 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी को इस पद पर नियुक्त किये जाने की घोषणा बुधवार को की थी। फणसालकर ने दक्षिण मुंबई स्थित क्राफोर्ड मार्केट स्थित पुलिस आयुक्तालय में करीब पौने पांच बजे कार्यभार ग्रहण किया। बाद में संवाददाताओं से बातचीत में पुलिस आयुक्त ने कहा कि वह पुलिसकर्मियों की मदद से मुंबई पुलिस को दुनिया की बेहतरीन और सबसे सशक्त पुलिस में से एक बनाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में कानून व्यवस्था पर नियंत्रण तथा अपराध की दर में सुधार के अलावा वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर पुलिस बल का विशेष ध्यान रहेगा। फणसालकर इससे पूर्व पुलिस आवास और कल्याण निगम के महानिदेशक और महाप्रबंधक के पद पर तैनात थे। फणसालकर ठाणे पुलिस आयुक्त और राज्य एटीएस प्रमुख के रूप में भी अपनी सेवा दे चुके हैं।

भारत में मेट्रो एजी द्वारा देश के कानूनों का घोर उल्लंघन

फेमा और जीसटी कानूनों के पूर्ण उल्लंघन में कैश एंड कैरी व्यवसाय की आड़ में बी टू सी कर रही मेट्रो

मुंबई। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महानगर मुंबई प्रांत के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया भारत में मेट्रो कैश एंड कैरी की व्यावसायिक प्रथाओं पर गंभीर आपत्ति जताई है और उस पर एफडीआई नीति और नियमों के घोर और स्पष्ट उल्लंघन और कानूनों को दरकिनार करने का आरोप लगाया है। विदेशी कंपनियों का भारत में व्यापार करने के लिए स्वागत है, लेकिन साथ में कानूनों और नियमों का कड़ाई से अनुपालन न किए जाने का भी आरोप मेट्रो के खिलाफ लगाया गया है। कैट के महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने आज नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के व्यापारी कानूनों के उल्लंघन के माध्यम से अपने व्यवसाय पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं करेंगे। मेट्रो द्वारा कानून के उल्लंघन के कारण, छोटे व्यापारियों के व्यवसाय विशेष रूप से किराना, एफएमसीजी सामान, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कैट ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मामले का तत्काल संज्ञान लेने और उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मेट्रो जर्मनी भारत के कारोबार को बेचने और भारत में अपने निवेश पर 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा कमाने की सोच रहा है। जो पिछले वर्षों में भारत में भारी मुनाफा अर्जित करके धन का डायवर्जन के अलावा और कुछ नहीं है। ये मुनाफा भारत सरकार और छोटे भारतीय व्यापारियों की कीमत पर पिछले 20 वर्षों से देश के हर कानून का उल्लंघन करते हुए किया गया है। और अब मेट्रो जर्मनी इस कंपनी को किसी अन्य विदेशी कंपनी को बेचेगी, जो भारतीय कानूनों और विनियमों की पूरी अवहेलना के साथ भारत में आकर वही काम करेगी। कानूनों का उल्लंघन करने और छोटे व्यापारियों को नुकसान पहुंचाने के तरीके पर मेट्रो वास्तव में भारत में एक प्रवृत्ति-सेटर रही है। शंकर ठक्कर ने कहा कि मेट्रो बी2सी रिटेल ट्रेड/मल्टी-ब्रांड रिटेल ट्रेडिंग में शामिल होकर एफडीआई नीति के प्रावधानों का खुले तौर पर उल्लंघन कर रही है और ग्राहकों को उनके व्यक्तिगत उपभोग के लिए सीधे सामान बेच रही है, जो विदेशी संस्थाओं के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है। मेट्रो सदस्यता कार्ड / ऐड-ऑन सदस्यता कार्ड जारी करने और अपने स्टोर पर वॉक-इन ग्राहकों को दैनिक प्रवेश पास जारी करने के लिए जीएसटी पंजीकरण के धोखाधड़ी के उपयोग के माध्यम से मेट्रो एफडीआई नीति का उल्लंघन कर रहा है। वास्तव में, मेट्रो ने थोक/बी2बी व्यापार का बहाना बनाकर मल्टी ब्रांड रिटेल ट्रेडिंग में शामिल होने के लिए पिछले दरवाजे का एक चैनल बनाया है। इस तरह के बिजनेस मॉडल से यह आसानी से समझा जा सकता है कि मेट्रो हमेशा से भारत में एक सीधा बी2सी बिजनेस चलाना चाहती थी, जिसकी भारतीय कानून और विनियम विदेशी कंपनियों के लिए अनुमति नहीं देते हैं। विनियम उन्हें केवल व्यावसायिक ग्राहकों को बेचने की अनुमति देते हैं, जो बदले में अंतिम उपभोक्ताओं को बेच सकते हैं। देश के आठ करोड़ से अधिक छोटे खुदरा विक्रेताओं की आजीविका की रक्षा के लिए केवल भारतीय कंपनियों के लिए अंतिम उपभोक्ताओं को बिक्री की अनुमति है। कैट के महानगर महामंत्री तरुण जैन ने कहा कि भारतीय कानूनों के अनुसार, मेट्रो को अपने ग्राहकों से कर पंजीकरण का प्रमाण लेना था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केवल व्यवसाय बी 2 बी लेनदेन के तहत मेट्रो से खरीद रहे हैं। इसके बजाय, इसने उपभोक्ताओं को कर पंजीकरण के फर्जी कार्ड जारी करके उल्लंघन की सुविधा प्रदान की। जो दुकानों पर जा रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि भारत में विभिन्न मेट्रो स्टोरों का दौरा करने वाले व्यापारियों ने उनमें से प्रत्येक में यह उल्लंघन पाया। इनमें से कुछ घटनाओं का वीडियो उपलब्ध कराया गया है। यदि हमारे पास अधिक संसाधन होते, तो हम प्रत्येक मेट्रो स्टोर से इस तरह के उल्लंघन के साक्ष्य एकत्र कर सकते थे। दोनों नेताओं ने कहा कि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि मेट्रो इस तरह की बिक्री से भारी मुनाफा कमाने वाले प्रत्यक्ष ग्राहकों को बिक्री पर सबसे अधिक मार्जिन बनाती है। मेट्रो जर्मनी को भारी रॉयल्टी शुल्क का भुगतान करती है और फिर भी एक लाभदायक कंपनी है जिसका मूल्य हजारों करोड़ रुपये है।

उल्लंघन क्या हैं?

1) एफडीआई नीति/फेमा उल्लंघनः उपभोक्ताओं को फर्जी कार्ड जारी करके और सीधे अंतिम ग्राहकों को बेचकर, मेट्रो इंडिया ने सबसे मौलिक एफडीआई विनियमन का उल्लंघन किया है कि विदेशी कंपनियां भारत में बी 2 सी खुदरा व्यापार नहीं कर सकती हैं। मेट्रो ने पिछले 20 वर्षों में ऐसा किया है और अपने लिए जबरदस्त मूल्य बनाया है। हमने प्रवर्तन निदेशालय से शिकायत की है, जो मामले की जांच कर रहा है। जांच करने के लिए कुछ भी नहीं है क्योंकि उल्लंघन बड़े पैमाने पर और स्पष्ट हैं। हमें विश्वास है कि प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही अपनी जांच पूरी करेगा और मेट्रो इंडिया पर कम से कम 12,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाएगा। हमने प्रवर्तन निदेशालय से शिकायत की है, जो मामले की जांच कर रहा है। जांच करने के लिए कुछ भी नहीं है क्योंकि उल्लंघन बड़े पैमाने पर और स्पष्ट हैं। हमें विश्वास है कि प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही अपनी जांच पूरी करेगा और मेट्रो इंडिया पर कम से कम 12,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाएगा। इस तरह के बिजनेस मॉडल से यह आसानी से समझा जा सकता है कि मेट्रो हमेशा से भारत में एक सीधा बी2सी बिजनेस चलाना चाहती थी, जिसकी भारतीय कानून और विनियम विदेशी कंपनियों के लिए अनुमति नहीं देते हैं। विनियम उन्हें केवल व्यावसायिक ग्राहकों को बेचने की अनुमति देते हैं, जो बदले में अंतिम उपभोक्ताओं को बेच सकते हैं। देश के आठ करोड़ से अधिक छोटे खुदरा विक्रेताओं की आजीविका की रक्षा के लिए केवल भारतीय कंपनियों के लिए अंतिम उपभोक्ताओं को बिक्री की अनुमति है। कैट के महानगर महामंत्री तरुण जैन ने कहा कि भारतीय कानूनों के अनुसार, मेट्रो को अपने ग्राहकों से कर पंजीकरण का प्रमाण लेना था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केवल व्यवसाय बी 2 बी लेनदेन के तहत मेट्रो से खरीद रहे हैं। इसके बजाय, इसने उपभोक्ताओं को कर पंजीकरण के फर्जी कार्ड जारी करके उल्लंघन की सुविधा प्रदान की। जो दुकानों पर जा रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि भारत में विभिन्न मेट्रो स्टोरों का दौरा करने वाले व्यापारियों ने उनमें से प्रत्येक में यह उल्लंघन पाया। इनमें से कुछ घटनाओं का वीडियो उपलब्ध कराया गया है। यदि हमारे पास अधिक संसाधन होते, तो हम प्रत्येक मेट्रो स्टोर से इस तरह के उल्लंघन के साक्ष्य एकत्र कर सकते थे। दोनों नेताओं ने कहा कि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि मेट्रो इस तरह की बिक्री से भारी मुनाफा कमाने वाले प्रत्यक्ष ग्राहकों को बिक्री पर सबसे अधिक मार्जिन बनाती है। मेट्रो जर्मनी को भारी रॉयल्टी शुल्क का भुगतान करती है और फिर भी एक लाभदायक कंपनी है जिसका मूल्य हजारों करोड़ रुपये है।

2) जीएसटी उल्लंघनः दिन कार्ड और ऐड-ऑन कार्ड के माध्यम से, मेट्रो उस व्यक्ति के नाम पर बिक्री रिकॉर्ड कर रही है जिसका जीएसटी पंजीकरण बिलिंग के लिए उपयोग किया जाता है जबकि वास्तविक खरीद अंतिम उपभोक्ता द्वारा की गई है और इसलिए प्रभावी रूप से है जीएसटी पंजीकरण के फर्जी उपयोग को बढ़ावा देना। मूल प्राथमिक कार्ड धारक को यह भी पता नहीं चलेगा कि उसके प्राथमिक कार्ड पर ऐड ऑन कार्ड जारी किए गए हैं। मेट्रो वास्तव में उन खुदरा ग्राहकों को प्रोत्साहित करती है जो दुकान पर ऐड ऑन कार्ड लेने के लिए आते हैं। यह जीएसटी अधिनियम, 2017 का गंभीर उल्लंघन है।

3) भारतीय दंड संहिता का उल्लंघनः मेट्रो अपने ग्राहकों के बारे में भारतीय नियामक प्राधिकरणों के पास गलत जानकारी दाखिल कर रही है। यह प्रतिरूपण और झूठी घोषणा का एक स्पष्ट उदाहरण है और भारतीय दंड संहिता का उल्लंघन है। मेट्रो इंडिया के बोर्ड और प्रबंधन ऐसे उल्लंघनों के लिए भारतीय दंड संहिता के तहत मुकदमा चलाने के लिए उत्तरदायी हैं।

भारतीय कानूनों और विनियमों के उपरोक्त और अधिक गंभीर उल्लंघनों को देखते हुए, हमने मेट्रो इंडिया के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के लिए सरकार से संपर्क किया है और इसके उल्लंघन के लिए दंडित होने से पहले मेट्रो को किसी अन्य विदेशी कंपनी को कारोबार बेचने और देश से बाहर निकलने से रोकने के लिए कहा है। हमने प्रवर्तन निदेशालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और जीएसटी प्राधिकरणों को बार-बार रिमाइंडर भेजा है और मेट्रो के घोर उल्लंघन के लिए कार्रवाई का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। हमें यह कहते हुए खेद है कि ऊपर से स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, सरकारी विभाग अब तक कोई कार्रवाई करने में धीमे हैं।

भारत ने सफलता के साथ पूरा किया 'अभ्यास' का परीक्षण

संवाददाता / नई दिल्ली

भारत ने बुधवार को ओडिशा की एकीकृत टेस्ट रेंज (आईटीआर) से स्वदेश में निर्मित हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट अभ्यास (हीट) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। इस दौरान एक लक्षित विमान को पूर्व निर्धारित कम ऊंचाई वाले उड़ान पथ में ग्राउंड आधारित नियंत्रक से उड़ाया गया। इस उड़ान का उद्देश्य परीक्षण के दौरान इसकी क्षमता का विस्तृत आकलन करना था। यहां बता दें कि परीक्षण के लिए प्रयोग किया गया यह विमान पूरी तरह से एक ऑटोमेटिक फ्लाइट का हिस्सा था। जिसमें इसे ऑटोमेटिक सिस्टम के जरिए नियंत्रित किया जा रहा था और उस दौरान किसी पायलट के दखल की आवश्यकता भी नहीं थी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अभ्यास को डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान द्वारा डिजाइन के साथ विकसित किया गया है। इस हवाई वाहन को ट्विन अंडरस्लंग बूस्टर का उपयोग कर लांच किया गया। ये उच्च सबसोनिक गति पर एक लंबी स्थिर उड़ान को बनाए रखने के लिए छोटे गैस टरबाइन इंजन द्वारा संचालित है। परीक्षण के दौरान इसकी रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल लक्ष्यीकरण प्रणाली के अलावा आईटीआर में तैनात विभिन्न ट्रेकिंग सेंसरों द्वारा निगरानी की गई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और सशस्त्र सेनाओं को दी बधाई

रक्षा मंत्री ने बधाई के साथ बढ़ाया हौसलाः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, सशस्त्र सेनाओं और उद्योग जगत को अभ्यास की सफल उड़ान के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस प्रणाली के विकास से सशस्त्र बलों के लिए हवाई लक्ष्यों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा। इसके अलावा डीआरडीओ के सचिव और अध्यक्ष डॉ.जी.सतीश रेड्डी ने इस प्रणाली के डिजाइन, विकास और परीक्षण से जुड़ी टीमों के प्रयासों की सराहना की है।

पूर्व में किए कई सफल परीक्षण

गौरतलब है कि अभ्यास के सफल परीक्षण से ठीक एक दिन पहले बीते मंगलवार को डीआरडीओ और भारतीय सेना ने स्वदेश में विकसित टैंक नाशक मिसाइल (एटीजीएम) का महाराष्ट्र में सफल परीक्षण किया था। जिसमें मिसाइल ने बेहद सटीकता के साथ तय लक्ष्य पर वार करते हुए उसे नेस्तनाबूद कर दिया। निगरानी के लिए ग्राउंड पर लगाए गए टेलीमेट्री सिस्टम ने भी मिसाइल के इस परीक्षण और उसकी सफलता को लेकर संतुष्टि जाहिर की। इसके अलावा भारत ने बीते सप्ताह चांदीपुर से वर्टिकल लांच शार्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया है। मूलरूप से यह एक जहाज पर तैनात की जाने वाली मिसाइल है। जिसे भारत के हवाई क्षेत्र की तरफ से बढ़ रहे तमाम खतरों का नाश करने के लिए विकसित किया गया है।

हत्या की खबर ट्वीट करने पर पत्रकार को थमाया नोटिस, सोशल मीडिया पर घिर गई मेरठ पुलिस

मेरठ। गाजियाबाद में एक न्यूज वेबसाइट के पत्रकार सचिन गुप्ता को मेरठ में हुई हत्या की खबर ट्वीट करना भारी पड़ गया। मेरठ पुलिस ने उनको सीआरपीसी की धारा 149 के तहत उसे नोटिस जारी किया है और कार्रवाई की चेतावनी दी है। पुलिस का कहना है कि पत्रकार ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और घृणास्पद पोस्ट किया है। इस मामले को लेकर ट्विटर यूजर्स ने मेरठ पुलिस पर ढेरों सवाल उठाए हैं। फिल्मकार विनोद कापड़ी का कहना है कि खबर रिपोर्ट करने के लिए नोटिस दी जा रही है। यूपी में यह क्या हो रहा है? उनके अलावा अन्य कई लोगों ने भी मेरठ पुलिस की कार्रवाई का विरोध जताया है। दरअसल पत्रकार सचिन गुप्ता ने मेरठ में हुई एक हत्या को लेकर ट्वीट किया था। उन्होंने लिखा- कानून का खौफ कितना है, पढ़िए... उप्र के मेरठ में साजिद नामक शख्स की हत्या कर दी गई। हत्यारों ने घर में चिट्ठी डालकर बताया कि हमने मर्डर कर दिया है और लाश कहां पड़ी है। तब फैमिली वाले वहां पर गए और लाश रिकवर की। पत्रकार ने इसके साथ एक चिट्ठी भी बतौर सबूत अटैच की है। पत्रकार के ट्वीट पर मेरठ पुलिस ने उनको धारा 149 सीआरपीसी के तहत नोटिस दिया है। पत्रकार के ट्वीट पर रीट्वीट करते हुए पुलिस ने लिखा है हमने देखा है कि आप आपत्तिजनक, घृणास्पद, अपमानजनक, दुर्भाग्यपूर्ण पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। मेरठ साइबर पुलिस विंग मेरठ में साइबर अपराध की नोडल एजेंसी आपको आपत्तिजनक संदेश पोस्ट करने के लिए सीआरपीसी की धारा 149 के तहत एक नोटिस जारी कर रही है।

कैबिनेट की बैठक में आर्थिक मामलों की समिति का फैसला

कृषि ऋण समितियों के कंप्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपए हुए मंजूर

संवाददाता / नई दिल्ली

63,000 प्राथमिक कृषि ऋण समितियां होगी कंप्यूटरीकृत

सरकार ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 63,000 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपये के खर्च की मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की बैठक में यह फैसला किया गया।

इस कंप्यूटरीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य पैक्स की दक्षता बढ़ाने के साथ उनके संचालन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही लाना है। इसके तहत पैक्स को अपने व्यवसाय में विविधता लाने तथा विभिन्न गतिविधियां/सेवाएं शुरू करने की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यह जानकारी दी।

केंद्र सरकार 1528 करोड़ का बोझ वहन करेगी

ठाकुर ने कहा कि पांच साल की अवधि में लगभग 63,000 कार्यरत पैक्स के कंप्यूटरीकरण का प्रस्ताव है। इस परियोजना पर कुल 2,516 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें केंद्र सरकार 1,528 करोड़ रुपए का बोझ वहन करेगी। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से 13 करोड़ विशेषकर छोटे और सीमान्त किसानों को फायदा मिलेगा। यह एक ऐतिहासिक निर्णय है और इस क्षेत्र में एक बड़ा सुधार है।

- सरकार वित्तीय समावेश को बढावा देना चाह रही
- कंप्यूटरीकरण का उद्देश्य पैक्स की दक्षता बढ़ाना है
- पैक्स के संचालन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही लाना

हार्डवेयर संबंधी सहायता प्रदान करना शामिल

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस परियोजना में साइबर सुरक्षा और डेटा भंडारण के साथ क्लाउड-आधारित सामान्य सॉफ्टवेयर के विकास समेत पैक्स को हार्डवेयर संबंधी सहायता प्रदान करना शामिल है। इस संबंध में जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि पैक्स देश में अल्पकालिक सहकारी ऋण (एसटीसीसी) की तीसरे स्तर की व्यवस्था में सबसे निचले स्तर पर अपनी भूमिका निभाता है।

13 करोड़ किसान सदस्य के रूप में शामिल

इसमें लगभग 13 करोड़ किसान इसके सदस्य के रूप में शामिल होते हैं और जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। देश में सभी संस्थाओं की तरफ से दिए गए केसीसी ऋणों में पैक्स का हिस्सा 41 प्रतिशत (3.01 करोड़ किसान) है। पैक्स के माध्यम से इन केसीसी ऋणों में से 95 प्रतिशत (2.95 करोड़ किसान) छोटे व सीमांत किसानों को दिए गए हैं।

कच्चे तेल उत्पादक मर्जी से बेच सकेंगे तेल

सरकार ने बुधवार को देश में कच्चे तेल का उत्पादन करने वाली इकाइयों को विपणन के मामले में पूरी छूट देने का निर्णय किया। उन्हें अपनी इच्छानुसार तेल बेचने की अनुमति दी गई है। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जानकारी में कहा कि मंत्रिमंडल ने घरेलू बाजार में उत्पादित कच्चे तेल की बिक्री को नियंत्रण-मुक्त करने की मंजूरी दी है।

घरेलू बाजार में बेचने स्वतंत्र

इसके तहत, एक अक्टूबर से उत्पादन भागीदारी अनुबंध (पीएससी) में कच्चा तेल सरकार या उसके द्वारा नामित इकाइयों अथवा सरकारी कंपनियों को बेचने की शर्त समाप्त हो जाएगी। इसका मतलब है कि उत्पादक अपने क्षेत्रों से उत्पादित कच्चा तेल घरेलू बाजार में बेचने को स्वतंत्र होंगे।

2 जुलाई को बॉडीबिल्डिंग चैंपियन

बरेली। 2 जुलाई दिन शनिवार समय 7 बजे बरेली मंडल कप बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन रेलवे भवन मैत्री नियर एयर फॉस पर होना सुनिश्चित हुआ है। आईबीएफए बरेली मंडल के अध्यक्ष श्री नदीम खान ने बताया इस प्रीतियोगीता का शुभारम मुख्य अथिति श्री आशुतोष पंत (डी आर एम रेलवे इज्जत नगर) करेंगे। इस प्रीतियोगीता बरेली मंडल से लगभग 300 खिलाड़ियों का भाग लेने का अनुमान है। आईबीएफए के राष्ट्रिये अध्यक्ष श्री विष्णु चौहान, राष्ट्रीये सचिव श्री आर डी तिवारी मुख्य अथिति होंगे। आईबीएफए बरेली मंडल बॉडी बिल्डिंग प्रीतियोगीता के निर्णायक मंडल भूपेन्द्र भागेल नेशनल जज, इमरान उस्मानी नेशनल जज, देवेंद्र अग्रवाल (आगरा) यू पी स्टेट जज, सोनू उस्मानी जज हेड पेनल (आगरा) मो इमरान अंसारी यूपी स्टेट जज (बिजनोर) एवं शाहबाग खान यूपी स्टेट हेड जज (बिजनोर) उपस्थित रहेंगे। इस प्रीतियोगीता का मुख्य आकर्षण वहीद हुसैन (अमरोहा), देवेंद्र गंगवार (मि, एशिया) पंकज बाला (मि, इंडिया) फईम रजा (मि, इंडिया) आलम सिद्दीकी (मि, यूपी) का बॉडी शो रहेगा।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

योगी सरकार के पांच डिफाल्टर विभागों में आजमगढ़ भी

DM विशाल भारद्वाज बोले लोकसभा उपचुनाव के कारण बढ़ी पेंडेसी, जल्द होगा निस्तारण

आजमगढ़। योगी सरकार 2.0 के 100 दिन पूरे होने वाले हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। सीएम योगी ने 25 मई 2022 को विभागों की समीक्षा की थी। इस रिव्यू में आंकड़े सामने आए। कई मामलों में अधिकारियों के मार्क करने के बाद भी समस्या नहीं सुलझ सकी है। उसे अधिकारी एक-दूसरे को मार्क करते रहे, लेकिन आपकी समस्या जस की तस बन रही। यही कारण है कि समस्याओं के निस्तारण के मामले में प्रयागराज, आजमगढ़, जौनपुर, सीतापुर और हरदोई प्रमुख हैं। इन जिलों में वर्ष 2017 से 3271 शिकायतें लंबित हैं।

इन शिकायतों में तालाब, खलिहान, श्मशान, खेल के मैदान पर कब्जा, पैमाइस की समस्या, भूमाफिया का कब्जा, चकरोड विवाद और ग्राम समाज की जमीन का विवाद है। आईजीआरएस पर शिकायतों के दर्ज होने के बाद इन समस्याओं के समाधान के लिए सात से 30 दिन का समय होता है। इसके बाद भी जब इन समस्याओं का समाधान नहीं होता तो इन विभागों को डिफॉल्टर माना जाता है। अलग-अलग शिकायतों को निस्तारित करने के अधिकतम 30 दिन तक का समय तय है। योगी सरकार में जनता की समस्याओं की सुनवाई के लिए नियम तय हैं। सीएम हर रोज लखनऊ में जनता दरबार लगाते हैं। सीएम योगी हेल्पलाइन नंबर 1076 पर सीधे फोन करके भी शिकायत कर सकती है। यहां आने वाली शिकायतों को 7 से 30 दिन के अंदर निस्तारण करना होता है। जिले के डीएम विशाल भारद्वाज का कहना है कि जिले में होने वाले लोकसभा उपचुनाव के कारण आईजीआरएस की शिकायतों की पेंडेंसी बढ़ी है। अब जबकि लोकसभा उपचुनाव संपन्न हो गया है, जल्द ही इन शिकायतों का निस्तारण करा लिया जाएगा, जिससे जनता को समस्या न हो। इसको लेकर डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों को डिफाल्टर की श्रेणी में न जाने दिया जाय। शिकायतों के निस्तारण एवं इसकी निगरानी संबंधित अधिकारी स्वयं करें तथा यह भी सुनिश्चित किया जाय कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय से एवं गुणवत्ता पूर्ण तरीके से हो जिससे आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त किसी भी प्रकार की शिकायत लंबित न रहे।

गृहमंत्री बोले-देश बदल रहा,पहली बार हिंदुत्व के नाम सरकार गिरी

भोपाल। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने महाराष्ट्र के सियासी घटनाक्रम पर चुटकी ली है। उन्होंने कहा- यही उद्धव ठाकरे थे, जिन्होंने हनुमान चालीसा पढ़ने नहीं दी थी। यह हनुमान चालीसा का ही प्रभाव है कि 40 दिन में 40 विधायक उन्हें छोड़कर चले गए। शिवसेना के संजय राउत कह रहे थे कि हमारे विधायक अगवा हो गए हैं। अरे राउतजी वो अगवा नहीं भगवा हो गए। देश में पहली बार हिंदुत्व के नाम पर कोई सरकार गिरी है। मेरा देश बदल रहा है। उदयपुर हत्याकांड पर गृहमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस भी घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। मध्यप्रदेश पुलिस राजस्थान एटीएस से लगातार संपर्क में है। दावत-ए-इस्लामी, जिसके कनेक्शन की बात कही गई है, उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश डीजीपी सहित इंटेलिजेंट्स के अधिकारियों को दिए गए हैं। गृहमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में नक्सल विरोधी अभियान के लिए तैनात हॉक फोर्स को 6वें वेतनमान का 70% भत्ता दिया जाएगा। हॉक फोर्स में काम करने वाले पुलिसकर्मियों का भत्ता 36 हजार तक बढ़ाया जाएगा। नक्सल विरोधी अभियान में जुड़ी इंटेलिजेंस शाखा के पुलिसकर्मियों को भी हॉक फोर्स की तरह 13 से बढ़ाकर 36 हजार रुपए विशेष भत्ता दिया जाएगा। इस निर्णय को जल्द कैबिनेट में लाया जाएगा। छतरपुर में 4 साल के दीपेंद्र यादव को बोरवेल से निकालने पर टीआई अनूप यादव, एसआई दीपक यादव को पुरस्कृत किया जाएगा। होमगार्ड के जवान जो 2016 से पहले भर्ती थे, उनको तीन साल में दो माह का काल ऑफ दिया जाता है। 2016 के बाद भर्ती में एक साल में दो माह का कॉल ऑफ किया गया था। गृहमंत्री ने बताया कि इस विसंगति को दूर किया जा रहा है। अब सबके लिए एक नियम रहेगा। इसके अनुसार तीन साल में दो माह काल ऑफ दिया जाएगा। दरअसल होमगार्ड जवानों को साल में 2 महीने अवैतनिक अवकाश पर भेजा जाता है। इसे ही कॉल ऑफ कहते हैं।

AAP ने गुजरात भाजपा पर कसा तंज

हिसार। दिल्ली में आम आदमी पार्टी द्वारा तैयार मोहल्ला क्लीनिक और सरकारी स्कूलों को देखने के लिए गुजरात से भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा है। इस पर हरियाणा की आम आदमी पार्टी ने तंज कसा है। आप ने ट्वीट किया कि दिल्ली के अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक विश्व में फेमस हैं। भाजपा प्रतिनिधिमंडल से अनुरोध है कि हरियाणा में उनकी अपनी भाजपा सरकार है, हरियाणा के अस्पतालों की दशा भी देखकर जाएं। वहीं भाजपा प्रतिनिधिमंडल को स्कूल दिखाने के लिए नेशनल पार्टी मुख्यालय के नजदीकी स्कूल में उन्हें पहुंचने का न्योता दिया गया था। बता दें कि आप का दावा है कि गुजरात भाजपा का प्रतिनिधिमंडल बिना बताए ही दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक-स्कूल देख रहा है। आम आदमी पार्टी दिल्ली में तैयार किए गए मोहल्ला क्लीनिक, अस्पताल और स्कूलों के मॉडल को चुनावी राज्यों में खूब प्रचार करती है।

मीटिंग का एजेंडा न मिलने पर सांसद भड़के CEO ने मांगी सॉरी

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले में गुरुवार को डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट को-ऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (दिशा) की मासिक बैठक हुई। एडीसी कार्यालय की ओर से बुलाई गई इस मीटिंग की अध्यक्षता हिसार के BJP सांसद बृजेंद्र सिंह ने की, लेकिन अधिकारियों ने सांसद को मीटिंग का एजेंडा उनके बैठक में पहुंचने के बाद दिया। इस पर बृजेंद्र सिंह अधिकारियों पर भड़क गए। BJP सांसद बृजेंद्र सिंह ने अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए कहा कि यह मीटिंग करने का सबसे वाहियात तरीका है। इसके बाद हिसार जिला परिषद के सीईओ प्रीतपाल सिंह ने प्रशासन की ओर से खेद जताया, तब जाकर बृजेंद्र सिंह शांत हुए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भविष्य में मीटिंग से पहले उसका एजेंडा सांसद के पास पहुंच जाना चाहिए। दरअसल दिशा की इस बैठक में 26 एजेंडों के अलावा बिजली निगम के एजेंडे पर चर्चा हुई। मीटिंग के दौरान जैसे ही बिजली निगम के एसई एसएस राय ने निगम की योजनाएं और उपलब्धियां गिनवानी शुरू की, बैठक की अध्यक्षता कर रहे सांसद बृजेंद्र सिंह ने उन्हें टोक दिया। सांसद ने कहा, 'अगर आप लोग मुझे बैठक में पहुंचने के बाद एजेंडा पकड़ाएंगे और कहेंगे कि मीटिंग कर लो तो यह कोई तरीका नहीं है। इस पर एसई एसएस राय ने कहा कि यह उनकी पहली मीटिंग है। इस पर सांसद बोले, 'पहली मीटिंग में आदमी पढ़ लिख कर आए तो? अगली मीटिंग तो बिना पढ़े भी चल सकती है। मुझे नहीं पता कि आप लोगों के मन में क्या गलतफहमी है। यह मीटिंग करने का सबसे वाहियात तरीका है। एक अनपढ़ आदमी की तरह आपने मुझे एजेंडा पकड़ा दिया कि मैं पढ़ दूंगा तो कहानी खत्म।' आप बिजली से जुड़े मुद्दों पर मीटिंग करवा रहे हैं तो मैं 100 शिकायतें लेकर आता। अन्यथा आपने कितने पोल लगा दिए? इससे मुझे या आम आदमी को क्या लेना-देना। सांसद के तेवर देखने के बाद बैठक में मौजूद हिसार जिला परिषद के सीईओ प्रीतपाल सिंह ने कहा कि अगली मीटिंग से पहले आपको उसका एजेंडा भेजा जाएगा। इस बार के लिए वह हिसार जिला प्रशासन की ओर से सॉरी फील करते हैं। इस पर बृजेंद्र सिंह ने कहा, 'सॉरी की बात नहीं है। मीटिंग का एजेंडा पहले मेरे हाथ में होना चाहिए। उसके बगैर कोई बैठक मीनिंगफुल नहीं हो सकती।

रेप के बाद नाबालिग लड़की का मर्डर

डूंगरपुर। घर से लापता 10 साल की लड़की की न्यूड डेड बॉडी करीब 12 घंटे बाद मिली है। उसके प्राइवेट पार्ट से खून निकल रहा था। उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। बॉडी जहां मिली है, वहां पर पूर्व सरपंच का पोता बीयर की बोतल लिए गांव वालों को दिखा था। इसलिए परिवार वालों ने उस पर रेप और हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। साथ ही, उसकी गिरफ्तारी नहीं होने तक नाबालिग की बॉडी उठाने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करा दिया है, पर परिवार वालों ने शव नहीं लिया है। गांव वालों ने हॉस्पिटल में जमकर हंगामा भी किया है। पूरा मामला डूंगरपुर के सदर थाना क्षेत्र का है। डूंगरपुर के DSP राकेश कुमार शर्मा ने बताया- बुधवार को एक महिला ने सदर थाना में अपनी 10 साल की बेटी के किडनैप होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसने बताया कि मंगलवार रात को खाना खाने के बाद बेटी अपने भाई के साथ घर के आंगन में सोई थी। मां और सबसे छोटा भाई अलग सो रहे थे। सबसे बड़ा बेटा अलग चारपाई पर सोया था। बुधवार सुबह वह उठी तो नाबालिग बेटी चारपाई पर

नहीं थी। उसने बेटी के बाहर जाने की बात सोचकर ध्यान नहीं दिया। घंटेभर बाद भी वह वापस नहीं आई तो परिवार के लोग उसको ढूंढ़ने लगे। काफी तलाश के बाद भी उसका सुराग नहीं लगा। बुधवार देर शाम को गांव के पास पुलिया के नीचे नाले में नाबालिग लड़की का शव पड़ा मिला। वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिवार वाले भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव कब्जे में लिया। नाबालिग के शरीर पर कपड़े नहीं थे और प्राइवेट पार्ट से खून बहने के साथ ही शरीर पर चोटों के निशान थे। डूंगरपुर के DSP राकेश कुमार शर्मा ने बताया- एक ग्रामीण ने बताया कि उसने बुधवार सुबह पुलिया के पास गांव के पूर्व सरपंच लक्ष्मण कटारा के पोते जितेन्द्र कटारा (32) पुत्र नारायण कटारा को देखा था। इसके बाद लड़की के परिजनों ने पूर्व सरपंच के पोते पर नाबालिग का रेप करने और मर्डर करने का आरोप लगाया। आरोपी जितेंद्र शादीशुदा है। उसके 2 बच्चे हैं। पुलिस ने मौके से नाबालिग का शव उठवाकर डूंगरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों ने आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही पोस्टमॉर्टम करवाने की बात पर अड़ गए और हंगामा कर दिया। काफी देर तक पोस्टमॉर्टम इसी के चक्कर में नहीं हो पाया। गुरुवार शाम 4 बजे पोस्टमॉर्टम हुआ है। परिवार वालों ने अब भी बॉडी नहीं उठाई है। नाबालिग से रेप कर हत्या के मामले में आरोपी जितेंद्र कटारा खेतीबाड़ी का काम करता है। उसकी पत्नी टीएडी की ओर से संचालित मां बाड़ी केंद्र चलाती है। उसके 2 बच्चे हैं, जिसमें एक बेटा 6 साल का है और बेटी 4 साल की हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बालों को सिल्की और मजबूत बनाना है तो लगाएं अंगूर के ये 2 मास्क

अंगूर का नाम लेते ही मुंह में पानी आ जाता है। यह एक ऐसा फल है जिसे हर कोई पसंद करता होगा। अंगूर में कई पोषक तत्व होते हैं, जैसे कि विटमिन सी, के, ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स और हेल्दी काबोर्हाइड्रेट्स। इसके अलावा इनमें कलेस्ट्रॉल भी नहीं होता। अंगूर डायबीटीज से लेकर कैंसर तक की बीमारी में एक औषधि का काम करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बालों के लिए भी अंगूर एक अच्छा मास्क साबित होते हैं?

हेयर मास्क बनाने का तरीका

अंगूर और दही का मास्क

अंगूर का हेयर मास्क बनाने के लिए आधा कप अंगूर लें और उन्हें मैश कर लें। अब उनमें 2 चम्मच दही, 1 चम्मच मेथी और 1 नींबू निचोड़कर अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अच्छी तरह से बालों पर लगा लें और हेयर कैप लगाकर 2 घंटों के लिए छोड़ दें। 2 घंटे बाद पानी से धो दें और फिर शैंपू कर लें। इस मास्क को हफ्ते में 3 बार बालों पर लगाएं। कुछ ही दिनों में बाल सिल्की, शाइनी और हेल्दी हो जाएंगे।

अंगूर, नारियल का तेल और शहद का मास्क

अंगूर को नारियल के तेल के साथ मिलाकर लगाने से भी फायदा मिलता है। इसके लिए एक कप अंगूर के रस में 1 ढक्कन नारियल का तेल और आधा चम्मच शहद मिला लें और उससे बालों की अच्छी तरह मसाज करें। आधे घंटे बाद शैंपू कर लें। बालों में इन दो हेयर मास्क लगाने से कुछ ही दिनों में असर दिखना शुरू हो जाएगा।

स्वाद के साथ ही सेहत के लिए भी लाजवाब है भिंडी

जब बात हरी सब्जियों की आती है तो एक ऐसी हरी सब्जी जिसे ज्यादातर लोग खाना पसंद करते हैं वह है भिंडी। जी हां, इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप भिंडी की भुजिया बनाते हैं, सूखी सब्जी बनाते हैं या रस वाली सब्जी, भिंडी का टेस्ट हमेशा ही लाजवाब होता है। ऐसे में अगर आप सोचते हैं कि भिंडी सिर्फ स्वाद के लिहाज से अच्छी सब्जी है तो आप गलत हैं। भिंडी न सिर्फ आपकी सेहत के लिए भी स्किन और बालों के लिए भी कई तरह से फायदेमंद है....

डायबीटीज कंट्रोल करने में मदद

डायबीटीज के मरीजों को भिंडी को अपनी डायट में जरूर शामिल करना चाहिए। रिसर्च की मानें तो सिर्फ 3 ग्राम भिंडी में भी इनसॉल्यूबल फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। ऐसे में यह फाइबर आंतों द्वारा जिस रेट से शुगर को अब्जॉर्ब किया जाता है उसमें कमी ला सकता है। भिंडी सेहत के लिए कितनी अच्छी इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि टर्की जैसे देशों में तो भिंडी के बीज का इस्तेमाल डायबीटीज के मरीजों की दवा बनाने में भी किया जाता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाती है

भिंडी में विटमिन ए और बीटा कैरोटिन ये दो सबसे अहम पोषक तत्व पाए जाते हैं और ये दोनों ही हमारी आंखों की रोशनी के लिए काफी अच्छे होते हैं। विटमिन ए और बीटा कैरोटिन ऐसे पोषक तत्व हैं जो आंखों में होने वाली कॉमन समस्या- मोतियाबिंद और दूसरी बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। लगातार कई घंटों तक कंप्यूटर पर काम करने, सही डाइट न लेने, पल्यूशन और स्मोकिंग के कारण आंखों की रोशनी पर काफी असर पड़ता है। आंखों को हेल्दी रखने के लिए डाइट में कुछ ऐसे फूड शामिल करने चाहिए जिनमें काफी मात्रा में विटमिन अ हों। कई फूड ऐसे होते हैं जिनमें कैरोटिनॉइड होता है। यह कैरोटिनॉइड बॉडी में जाकर विटमिन अ में बदल जाता है। पपीता खाना आंखों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में कैरोटिनॉइड पाया जाता है जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में मददगार होता है। तो आइए आज हम आपको ऐसी ही चीजों के बारे में बताते हैं:-

आंखों की रोशनी बढ़ानी है तो खाएं ये चीजें

गाजर - इससे बॉडी को पर्याप्त मात्रा में कैरोटिनॉइड मिलता है जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है।

सहजन की पत्तियां - ये विटमिन अ का काफी अच्छा सोर्स है। इसे खाने में शामिल करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है।

पीला कद्दू - इसमें कैरोटिनॉइड काफी होता है। इसे रेग्युलर डाइट में शामिल करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है।

आम - यह विटामिन अ का काफी अच्छा सोर्स है जिससे आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद मिलती है।

हरी सब्जियां - हरी सब्जियों जैसे पालक, धनिया, पत्ता गोभी और मेथी में कैरोटिनॉयड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इससे आंखों की रोशनी बढ़ती है।

अंडा - यह प्रोटीन और विटमिन अ का काफी अच्छा सोर्स है। इसे रोज खाने से आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद मिलती है।

दही - इसमें विटमिन अ काफी होता है। इस वजह से आंखों की रोशनी बढ़ाने मददगार होता है।

हृदय रोग से बचाने में मददगार

शरीर में कलेस्ट्रॉल की अधिक मात्रा हो जाने की वजह से दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में भिंडी में मौजूद पेक्टनि नामक तत्व कलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करता है जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

ग्लोइंग स्किन के लिए खाएं भिंडी

हरी-हरी खूबसूरत भिंडी आपको खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन देने में भी मदद कर सकती है। भिंडी में विटमिन ए, विटमिन सी, कैल्शियम और फॉलेट होता है जो हेल्दी स्किन सेल्स को प्रमोट करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में आप चाहें तो भिंडी खाने के साथ-साथ उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर भी लगा सकती हैं और कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आने लगेगा।

लंबे और मजबूत होंगे बाल

अगर आप भी उलझते और टूटते बालों से परेशान हो चुकी हैं तो आपको नैचरल भिंडी कंडिशनर का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए भिंडी को पानी में उबालें और फिर उस पानी को सेट होने के लिए रख दें जब तक की भिंडी का पारदर्शी लसलसा पदार्थ जम न जाए। फिर शैंपू करने के बाद इस पानी को कंडिशनर के तौर पर बालों में लगा लें। इससे न सिर्फ आपके बाल हेल्दी बनेंगे बल्कि उनमें शाइन भी आ जाएगा।

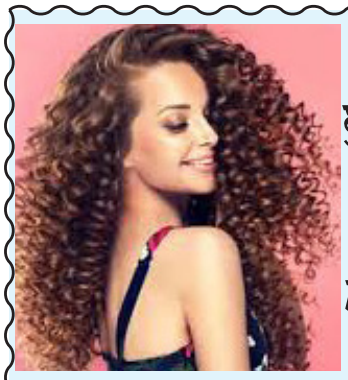

मॉनसून में घुंघराले बालों में लगाएं ये 3 मास्क, मिलेगा भरपूर फायदा

बारिश में भीगना भला किसे अच्छा नहीं लगता। इससे मौसम तो खुशनुमा हो जाता है लेकिन यह अपने साथ ढेर सारी बीमारियां लेकर आती है और बालों को भी नुकसान पहुंचाती है। इसलिए मॉनसून में हमें अपनी सेहत के साथ-साथ बालों को लेकर भी अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। बारिश से बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं और फिर वे टूटने लगते हैं। खासकर घुंघराले बालों की तो जैसे शामत ही आ जाती है।

यहां कुछ घरेलू नुस्खे और हेयर मास्क के बारे में बताया जा रहा है जिनके जरिए मॉनसून में रूखे और बेजान बालों में फिर से जान फूंकी जा सकती है:

बियर मास्क

बियर घुंघराले बालों पर जादू-सा असर करती है। इसमें अमीनो ऐसिड्स और ऐक्टिव एंजाइम होती हैं जो बालों को शाइनी बनाती हैं और रूखापन दूर करती हैं। इसलिए जब भी शैंपू करें उससे एक घंटे पहले बालों में बियर लगा लें। एक घंटे बाद हर्बल शैंपू से सिर धो लें।

केला और ऑलिव ऑइल

कर्ली बालों के लिए ऑलिव ऑइल और केले का मास्क भी कारगर माना जाता है। केला बालों को स्मूद बनाता है और उन्हें मॉइश्चराइज करता है वहीं ऑलिव ऑइल बालों को रूखा होने से बचाता है। एक केला छीलकर उसे मैश कर लें और फिर 2 ढक्कन ऑलिव ऑइल मिक्स करें। अब इसे बालों में अच्छी तरह से लगाएं। 2-3 घंटे बाद शैंपू कर लें।

शहद और नींबू का मास्क

बारिश की मार से कर्ली बालों को बचाने के लिए शहद और नींबू का मास्क भी परफेक्ट है। इसके लिए आधा कप शहद में 2 नींबू निचोड़कर मिला लें और फिर इस मिश्रण को बालों में जड़ों तक लगाएं। एक घंटे के लिए बालों को ऐसे ही छोड़ दें और फिर शैंपू कर लें।

इन तीन हेयर मास्क के अलावा कुछ और हेयर केयर टिप्स हैं जो बारिश के मौसम में जरूर फॉलो करनी चाहिए:

➤ मॉनसून के दौरान बालों में कम ही तेल लगाएं क्योंकि मौसम में पहले से ही नमी होती है और ऐसे में और तेल आपके बालों को और भी खराब बना सकता है।

➤ इस बात का भी ध्यान रखें कि बाल हमेशा सूखे ही रहें। अगर बारिश में बाल गीले हो गए हैं तो सबसे पहले उन्हें अच्छी तरह सुखा लें और फिर साफ कंघी से बालों को सुलझाएं।

झूठी हैं हेयर केयर से जुड़ी ये 5 बातें

➤ बारिश में बाल भीगने से फंगल इन्फेक्शन होने का खतरा होता है। इससे बचने के लिए इस मौसम में एक अच्छा सा ऐंटी-माइक्रोबियल और हर्बल शैंपू का इस्तेमाल करें।

➤ इसके लिए बालों को सूखा रखें। उनमें ऐंटी-ऑक्सिडेंटीव क्रीम, सीरम या कंडीशनर लगाना न भूलें। घुंघराले बालों को बारिश के मौसम में सुरक्षित रखने का ये सबसे आसान तरीका है। इससे बाल ड्राई भी नहीं होते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

काजोल को ऑस्कर पैनल में शामिल किए जाने पर खुशी से झूम उठे अजय देवगन

भारत सहित दुनिया के कई देशों में अकेडमी अवॉर्ड्स का इंतजार किया जाता है। ऐसे में अब इंडियन सिनेमा के लिए एक बड़ी खुश खबरी सामने आई है। बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस काजोल का नाम इस ऑस्कर पैनल में शामिल किया गया है। काजोल के अलावा साउथ एक्टर सूर्या, डायरेक्टर सुष्मित घोष और रिंटू थॉमस और फिल्ममेकर रीमा कागती सहित 397 नए मेंबर्स को अकैडेमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स ऐंड साइंस यानी ऑस्कर अकैडेमी में शामिल होने के लिए इन्वाइट किया गया है। बता दें कि ऑस्कर अकैडेमी की वेब साइट ने मंगलवार रात इस लिस्ट को शेयर किया है। इस लिस्ट में उन लोगों को नाम शामिल किया गया है जिन्होंने थिएट्रिकल मोशन पिक्चर्स में अपना योगदान दिया है।अकैडेमी ने एक स्टेटमेंट में कहा, 2022 की इस क्लास में 44 पर्सेंट महिलाएं और 37 पर्सेंट लोग ऐसी कॉम्यूनिटी के लोग जिनका प्रतिनिधित्व बेहद कम और 50 पर्सेंट लोग 53 देशों और इलाकों के हैं जो अमेरिका से बाहर हैं। वही अपनी वाइफ का नाम ऑस्कर लिस्ट में शामिल होने पर उनके पति और बॉलिवुड अभिनेता अजय देवगन की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा है। एक्टर ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर कर लिखा, ऑस्कर पैनल में इन्वाइट किए जाने के लिए काजोल को बहुत-बहुत बधाई। बेहद उत्साहित हूं और बहुत गर्व महसूस कर रहा हूं। इन्वाइट किए गए सभी अन्य लोगों को भी बधाई।

शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर तापसी पन्नू ने किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड की बोल्ड और बेबाक एक्ट्रेस में से एक कही जाने वाली तापसी पन्नू इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। एक्ट्रेस अपनी आने वाली फिल्म शाबास मिट्ठू के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। दरअसल इस फिल्म में तापसी बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान के साथ काम कर रही हैं। वही अपने फिल्म के प्रमोशन के दौरान तापसी ने शाहरुख के साथ काम करने की कुछ एक्सपीरियंस भी शेयर की हैं। जिसे सुनने के बाद बादशाह किंग के लिए आपका प्यार और भी ज्यादा बढ़ जाएगा। दरअसल तापसी पन्नू ने अपनी फिल्म शब्बास मिट्ठू के प्रमोशन के दौरान एक मीडिया इंटरव्यू के तहत बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को लेकर कहा है कि उनके साथ किसी फिल्म में काम करना आपके करियर के लिए बहुत बड़ी बात होती है। तापसी ने कहा है कि जब आपको शाहरुख खान के साथ काम करने का अवसर प्राप्त होता है तो यह आपके लिए एक सुनहरा मौका है। शाहरुख भी मेरी तरह दिल्ली से आते हैं और सेट पर किस तरीके से खुद को तैयार रखना है, वह उनसे बहुत अच्छी तरह से सीखने को मिलता है। इतना ही नहीं जब मैंने उनके प्रोडक्शन हाउस रेड चिली एंटरटेनमेंट के तहत बदला की थी, तब से मुझे उन्होंने से प्रेरणा मिलती रही है। वही आपको बता दे की ये पहली बार होगा जब शाहरुख खान और तापसी पन्नू एक साथ परदे पर नजर आएँगे।

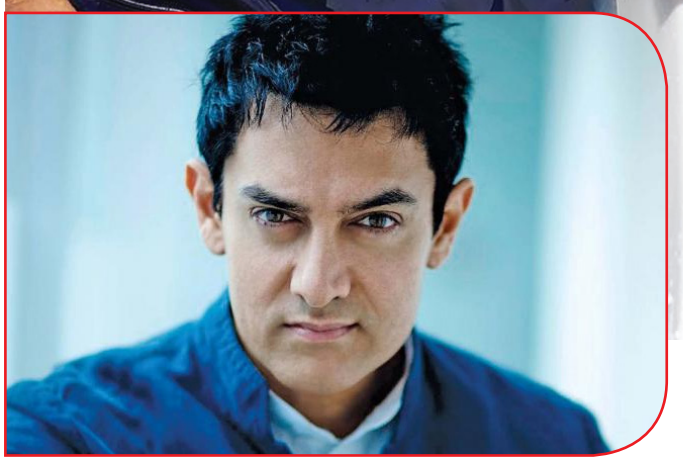

आमिर खान को याद आया अपना पुराना प्यार

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान इन दिनों खूब सर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल एक्टर इन दिनों अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा के प्रमोशन में व्यस्त हैं। और फिल्म प्रमोशन के लिए एक्टर कई तरह के इंटरव्यू भी कर रहे हैं। वही इस दौरान आमिर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा हैं। जिसमे आमिर अपने पुराने प्यार को याद कर के कई सारी बातें कही हैं। जिसे सुनने के बाद आपके भी होश उड़ जाएंगे। दरअसल हाल ही में, 'फिर ना ऐसी रात आएगी' के सॉन्ग लॉन्च के दौरान आमिर ने गाने की थीम को ध्यान में रखते हुए अपने पहले प्यार को याद किया। वही एक्टर ने कहा कि यह वह समय था जब मैं टेनिस खेलता था, वह भी मेरे साथ उसी क्लब में थी और एक दिन मुझे पता चला कि वह अपने परिवार के साथ देश छोड़कर चली गई है उस वक्त मैं बहुत दुखी हो गया था। लेकिन मुश्किल बात यह है कि वह नहीं जानती कि मैं उसे पसंद करता था। इससे बस एक ही चीज अच्छी हुई कि मैं बहुत अच्छा टेनिस खिलाड़ी बन गया। बाद में, कुछ सालों बाद मैंने राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में टेनिस खेला और नेशनल लेवल चैंपियन बन गया। आमिर खान की लव लाइफ की बात करें तो उन्होंने दो बार शादी की है।